भगवान के डाकिए

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कविता में अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1 (आसान). पंक्ति: 'मैं रोया, पर हँसी भी आई।' कवि का संभावित भाव क्या है?
उत्तर – कवि शायद दुख में भी खुशी ढूँढ रहा है या अपनी हालत पर कटाक्ष कर रहा है।

प्रश्न 2 (आसान). पंक्ति: 'रात गहरी थी, पर तारे चमक रहे थे।' इन दो बातों में क्या संबंध है?
उत्तर – गहरे अंधेरे में भी उम्मीद की किरण होना।

प्रश्न 3 (मध्यम). कविता की पंक्तियाँ: 'मैं अकेला हूँ, फिर भी पूरी दुनिया मेरे साथ है।' कवि इन विरोधी-सी लगने वाली बातों से क्या कहना चाहते हैं?
उत्तर – कवि का मतलब है कि वे भले ही शारीरिक रूप से अकेले हों, लेकिन विचारों, भावनाओं या प्रकृति से वे पूरी दुनिया से जुड़े हुए महसूस करते हैं। यह 'spiritual connection' या 'inner strength' की बात है।

प्रश्न 4 (कठिन). पंक्ति: 'फूल मुरझा गए थे, पर उनकी खुशबू अभी भी थी।' कवि का क्या उद्देश्य हो सकता है इन पंक्तियों से?
उत्तर – कवि शायद यह बताना चाहते हैं कि चीज़ें भले ही 'physical form' में खत्म हो जाएँ, लेकिन उनका 'essence', उनकी 'memory' या उनका प्रभाव हमेशा बना रहता है। यह 'impermanence of physical beauty' और 'permanence of impact' का भाव है।

» कवि ने अस्तित्व नकारा और महत्त्व दिया–विरोधी भाव

प्रश्न 5 (आसान). कविता में 'हस्ती' शब्द का क्या अर्थ है?
उत्तर – पहचान या अस्तित्व।

प्रश्न 6 (आसान). 'मस्ती का आलम' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर – खुशी और उत्साह का माहौल।

प्रश्न 7 (मध्यम). 'फाकामस्ती' का क्या अर्थ है और यह इन पंक्तियों से कैसे जुड़ा है?
उत्तर – 'फाकामस्ती' का अर्थ है 'अभाव में भी खुश रहना'। यह इन पंक्तियों से इसलिए जुड़ा है क्योंकि कवि बाहरी 'हस्ती' या सुख-सुविधाओं के अभाव में भी 'मस्ती' (खुशी) को अपने साथ लिए चलता है।

प्रश्न 8 (कठिन). कवि ने इन विरोधी भावों का प्रयोग करके हमें जीवन के बारे में कौन-सा महत्वपूर्ण संदेश दिया है?
उत्तर – कवि ने इन विरोधी भावों के माध्यम से यह संदेश दिया है कि जीवन में बाहरी पहचान या भौतिक वस्तुओं का महत्व अस्थायी है, असली खुशी और 'अस्तित्व' हमारे आंतरिक 'मस्ती' और सकारात्मक ऊर्जा में निहित है, जो हर परिस्थिति में हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

» भाव के अनुरूप सही शब्द चुनना

प्रश्न 9 (आसान). संतुष्टि वाले भाव के लिए 'जी भरकर' के साथ कौन-सा शब्द मेल खाएगा? (हँसकर / चुपचाप)
उत्तर – हँसकर

प्रश्न 10 (आसान). खुशी/खुलापन दिखाने के लिए 'खुलकर' के भाव जैसा शब्द चुनो: (गाकर / डरकर)
उत्तर – गाकर

प्रश्न 11 (मध्यम). नीचे एक पंक्ति बनानी है: "आज मन ____ करके खुश है।" खाली जगह में 'खुशी' के भाव वाला सही शब्द लिखो। (छककर / सोचकर / रोकर)
उत्तर – छककर

प्रश्न 12 (कठिन). मान लो भाव है 'मन की थकान मिट जाना और सुकून मिलना'। 'जी भरकर' जैसा भाव देने वाले 2 शब्द लिखो जो संतुष्टि दिखाएं।
उत्तर – जैसे: 'आराम करके', 'खुलकर' (या 'मन भरकर') – कोई भी दो सही भाववाचक शब्द

» शब्दार्थ समझना और प्रयोग का भाव पकड़ना

प्रश्न 13 (आसान). 'दुनिया, माहौल' से कवि क्या दिखाना चाहता है?
उत्तर – बदलती परिस्थितियाँ/चारों तरफ की स्थिति।

प्रश्न 14 (आसान). 'अपनी इच्छा के अनुसार चलने वाला' का भाव क्या है?
उत्तर – अपनी मर्जी से चलना, बंधा-बंधाया नहीं।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर कवि 'हस्ती' को तंज वाले अंदाज़ में कहे, तो तुम्हें अर्थ के साथ क्या भी देखना चाहिए?
उत्तर – प्रयोग का भाव—यानी तंज/नकार वाला मूड।

प्रश्न 16 (कठिन). कविता में 'पक्षी और बादल' को 'भगवान के डाकिए' कहा गया है। शब्दार्थ 'डाकिए' तो समझ आ गया, पर भाव क्या बनता है?
उत्तर – प्रकृति को संदेशवाहक जैसा मानना—यानी एकता/प्रेम/सद्भाव का संदेश प्रकृति के ज़रिए फैल रहा है।

» पक्षी और बादल—भगवान के डाकिए

प्रश्न 17 (आसान). कवि पक्षी और बादल को 'भगवान के डाकिए' क्यों कहता है?
उत्तर – क्योंकि उनके जरिए संदेश/चिठ्ठियाँ एक महादेश से दूसरे महादेश तक पहुँचते हैं।

प्रश्न 18 (आसान). कविता में 'चिठ्ठियाँ' किन चीज़ों के रूप में दिखाई देती हैं?
उत्तर – पेड़-पौधे, पानी और पहाड़।

प्रश्न 19 (मध्यम). कविता के आधार पर लिखिए—धती दूसरे देश को क्या भेजती है, और वह कहाँ तैरती है?
उत्तर – धती दूसरे देश को 'सुगंध' भेजती है, और वह 'हवा में तैरते हुए' दिखाई देती है।

प्रश्न 20 (कठिन). पंक्तियों के आधार पर समझाइए कि 'भाप' दूसरे देश में कैसे पहुँचती है और उसका रूप क्या बन जाता है?
उत्तर – कविता कहती है—एक देश की भाप दूसरे देश में जाती है और 'पानी बनकर गिरती है' यानी उसका रूप बदलकर बारिश/पानी के रूप में उतरता है।

» चिठ्ठियों का संदेश: प्रेम, सद्भाव और एकता

प्रश्न 21 (आसान). पक्षी और बादल की चिठ्ठियों का संदेश किस-किस भावना में होता है?
उत्तर – प्रेम, सद्भाव और एकता।

प्रश्न 22 (आसान). प्रकृति देश-देश में भेदभाव करती है या नहीं?
उत्तर – नहीं, प्रकृति भेदभाव नहीं करती।

प्रश्न 23 (मध्यम). बारिश वाले उदाहरण से बताओ कि प्रकृति भेदभाव क्यों नहीं करती?
उत्तर – बादल उठकर एक जगह से दूसरे देश/जगह पर भी बरस जाता है, इसलिए सबको पानी मिलता है और वह सीमा नहीं पूछती।

प्रश्न 24 (कठिन). अगर हम 'एकता' का मतलब सिर्फ "हम एक जैसे हैं" समझें, तो गलतफहमी क्या होगी? सही समझ क्या होगी?
उत्तर – गलतफहमी यह होगी कि एकता का मतलब सबका बिल्कुल एक जैसा होना है। सही समझ यह है कि भले अलग-अलग जगह/स्वभाव हों, फिर भी भाव और व्यवहार में जुड़ाव, बराबरी और साथ रहने की भावना हो—यही एकता है।

» पृथ्वी से सुगंध और बादल का पानी बनकर गिरना

प्रश्न 25 (आसान). 'सुगंध' कहाँ-कहाँ पहुँचती है? (भाव के अनुसार)
उत्तर – हवा में तैरकर और पक्षियों के जरिए दूसरे देश तक/दूर तक पहुँचती है।

प्रश्न 26 (आसान). 'भाप' बाद में क्या बनती है?
उत्तर – ठंडी होकर पानी (बादल का पानी) बनकर गिरती है।

प्रश्न 27 (मध्यम). कविता के भाव में पक्षी और बादल संदेशवाहक क्यों माने गए हैं?
उत्तर – क्योंकि वे सुगंध और पानी को एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाते हैं—यानी दूरी के पार संदेश/प्रभाव फैलाते हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). समझाओ कि 'भेदभाव नहीं' वाली बात सुगंध और भाप-पानी के रूपांतरण से कैसे सिद्ध होती है?
उत्तर – क्योंकि सुगंध और भाप अपने प्राकृतिक रूप बदलकर कहीं भी पहुँच जाती हैं—खुशबू रुकती नहीं, भाप दूसरी जगह पानी बनकर गिरती है। इससे दिखता है कि प्रकृति सीमाओं/भेदों को नहीं मानती।

» डाकियों की तुलना: प्रकृति का संवाद और इंटरनेट

प्रश्न 29 (आसान). पक्षी और बादल प्रकृति में संवादवाहक कैसे हैं?
उत्तर – वे चिठ्ठियों/संदेशों जैसे भाव एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाते हैं।

प्रश्न 30 (आसान). बादल का एक देश से दूसरे देश तक जाना किस तरह की तुलना बनाता है?
उत्तर – यह संदेश के दूर-दूर तक पहुँचने जैसा है, जैसे इंटरनेट पर संदेश दूर तक जाता है।

प्रश्न 31 (मध्यम). इंटरनेट/WWW की तुलना करते हुए एक पंक्ति लिखिए जिसमें 'तेज़' या 'दूरी' का भाव हो।
उत्तर – WWW पर संदेश तेजी से दूर-दूर तक पहुँचता है, जैसे पक्षी और बादल एक देश से दूसरे देश तक पहुँचाते हों।

प्रश्न 32 (कठिन). 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' पर 2 पंक्तियाँ लिखिए—एक में प्रकृति, एक में इंटरनेट।
उत्तर – प्रकृति के डाकिए (पक्षी-बादल) हमें प्रेम और एकता का संदेश पहुँचाकर जोड़ते हैं। इंटरनेट के डाकिए (मैसेज/WWW) हमें जानकारी और संबंधों तक जल्दी पहुँच दिलाते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कविता की पंक्तियाँ हैं: 'मैं राहगीर बन चला, मेरा घर तो आसमान में है।' इन दो पंक्तियों के बीच का संबंध और कवि का अनुमानित भाव स्पष्ट कीजिए।

› पहला वाक्य 'मैं राहगीर बन चला' बताता है कि व्यक्ति 'traveler' है, वह लगातार चलता रहता है, 'on the move' है।

› दूसरा वाक्य 'मेरा घर तो आसमान में है' यह बताता है कि उसका कोई 'fixed abode' नहीं है, कोई एक जगह उसका 'permanent home' नहीं है।

› इन दोनों पंक्तियों को एक साथ रखकर सोचने पर हमें यह समझ आता है कि कवि शायद 'freedom' और 'lack of attachment' की बात कर रहा है।

› भाव यह है कि कवि 'earthly possessions' या किसी एक जगह से बंधा नहीं है, वह आज़ादी से घूमना चाहता है और उसका असली 'spiritual home' कहीं और है, न कि इस धरती पर।

उत्तर – कवि का भाव है कि वह सांसारिक बंधनों से मुक्त एक आज़ाद आत्मा है, जो लगातार गतिशील है और जिसका असली ठिकाना भौतिक दुनिया से परे है।

उदाहरण 2. कविता में 'हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले' और 'मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहाँ चले'–इन पंक्तियों में कवि ने कौन-से विरोधी भावों को दर्शाया है और क्यों?

› पहली पंक्ति 'हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले' में कवि ने अपने 'अस्तित्व को नकारा' है। यहाँ 'हस्ती' का मतलब है पहचान या स्थायित्व। कवि कहता है कि दीवानों का कोई निश्चित ठिकाना या पहचान नहीं होती, वे आज यहाँ तो कल कहीं और होते हैं।

› दूसरी पंक्ति 'मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहाँ चले' में कवि ने 'अपने अस्तित्व को महत्त्व' दिया है। 'मस्ती का आलम' मतलब खुशी और उल्लास का माहौल। कवि कहता है कि जहाँ भी वे जाते हैं, उनके साथ खुशहाली का माहौल भी चलता है, वे अपने उत्साह से हर जगह को जीवंत बना देते हैं।

› ये दोनों भाव 'विरोधी' लगते हैं: एक तरफ खुद को 'नगण्य' मानना और दूसरी तरफ अपने 'प्रभाव' को बताना। कवि ने इन विरोधी भावों का प्रयोग यह बताने के लिए किया है कि एक 'दीवाने' के लिए बाहरी पहचान या भौतिक चीज़ें मायने नहीं रखतीं, बल्कि उसका 'आंतरिक आनंद' और 'सकारात्मक ऊर्जा' ही असली 'हस्ती' होती है, जो जहाँ भी जाती है, खुशियाँ बिखेर देती है। यह 'फाकामस्ती' का उदाहरण है।

उत्तर – कवि ने 'अस्तित्व के नकार' (कोई हस्ती नहीं) और 'अस्तित्व के महत्त्व' (मस्ती साथ चलना) के विरोधी भावों को दर्शाया है। इसका उद्देश्य यह समझाना है कि सच्चे आनंद के लिए बाहरी पहचान नहीं, बल्कि आंतरिक खुशी और सकारात्मक ऊर्जा ही सबसे महत्वपूर्ण है, जो हर जगह खुशहाली फैलाती है।

उदाहरण 3. कवि संतुष्टि/खुशी का भाव दिखाना चाहता है। नीचे दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द 'खुशी/संतुष्टि' के भाव से सबसे ज्यादा मेल खाता है: 'डरकर', 'छककर', 'सिर्फ देख कर'?

› पहले भाव तय करो: यहाँ संतुष्टि/खुशी चाहिए।

› अब देखो कौन-सा शब्द 'भरपूर आनंद' बताता है।

› 'छककर' स्वाद/आनंद को 'मन लगाकर' लेना दिखाता है।

› 'डरकर' डर का भाव देता है, और 'सिर्फ देख कर' में आनंद/भरपाई नहीं है।

उत्तर – 'छककर' सबसे ज्यादा मेल खाता है, क्योंकि यह संतुष्टि/भरपूर आनंद का भाव देता है।

उदाहरण 4. कविता में शब्द 'हस्ती' आता है। 'हस्ती' का अर्थ भी बताओ और ये भी बताओ कि इस शब्द का प्रयोग किस भाव के साथ हो रहा है।

› शब्दार्थ पहचानो: 'हस्ती' का मतलब औकात/महत्ता होता है।

› अब भाव देखो: जब कवि पूछने/काटने वाले अंदाज़ में 'हस्ती' कहता है, तो उसे तंज या नकार जैसा मूड मिलता है।

› फिर समझो कि कवि बाद में भाव पलट भी सकता है–इसलिए शब्द का मतलब अकेला नहीं, उसके साथ मूड भी साथ पढ़ना है।

उत्तर – 'हस्ती' का अर्थ औकात/महत्ता है, और इसके प्रयोग से तंज/नकार जैसा भाव बनता है–यानी कवि किसी चीज़ की 'कदर' को चुनौती दे रहा है, फिर कविता में आगे भाव बदल भी सकता है।

उदाहरण 5. कविता की पंक्तियों के आधार पर लिखिए: पक्षी और बादल द्वारा लाई "चिठ्ठियों" को कौन-कौन पढ़ पाते हैं–और ये चिठ्ठियाँ किस-किस चीज़ की प्रकृति की हैं?

› पहले कारण पकड़ो–कवि कहता है पक्षी और बादल "भगवान के डाकिए" हैं, यानी संदेश एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाते हैं।

› फिर 'चिठ्ठियाँ' कहाँ दिखाई दे रही हैं, ये ढूँढो–कविता में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ का उल्लेख है।

› सुगंध वाला संकेत पकड़ो–"एक देश की धरती... सुगंध् भेजती है" और "हवा में तैरते हुए"।

› पानी बनने वाला संकेत पकड़ो–"एक देश का भाप... पानी बनकर गिरता है"।

› अब लिखो: जो लोग प्रकृति के बदलाव/प्रभाव को समझते हैं (पेड़-पौधे, पानी, सुगंध, मौसम) वे इन चिठ्ठियों को पढ़ पाते हैं।

उत्तर – पक्षी और बादल की लाई चिठ्ठियाँ वे पढ़ पाते हैं जो प्रकृति के संकेत समझते हैं–जैसे मौसम, हवा की खुशबू, और पानी/हरियाली का असर। इन चिठ्ठियों की प्रकृति पेड़-पौधे, पानी, पहाड़, सुगंध और भाप का पानी बनकर गिरना जैसी चीज़ें हैं।

उदाहरण 6. मान लो किसी छात्र ने लिखा: "पक्षी और बादल की चिठ्ठियाँ एकता का संदेश देती हैं।" अब तुम बताओ कि यह बात प्रेम और सद्भाव से कैसे जुड़ती है। कम से कम 3 वजह लिखो।

› पहले लिखो: प्रेम–दूर जगह के लिए भी अपनापन/भलाई का भाव

› फिर लिखो: सद्भाव–अलग-अलग जगहों के बीच लड़ाई नहीं, मिलकर सहारा

› फिर लिखो: एकता–देश-सीमा पार करके संदेश पहुँचता है, इसलिए "हम सब एक"

उत्तर – पक्षी और बादल की चिठ्ठियाँ एकता का संदेश इसलिए देती हैं क्योंकि वे देश-देश की सीमा नहीं मानते। यह एकता प्रेम से जुड़ती है–दूर की जगह के लिए भी अपनापन और भलाई पहुँचती है। यह सद्भाव से भी जुड़ती है–अलग-अलग जगहों के बीच संबंध अच्छे रहते हैं, संघर्ष नहीं होता। और जब बादल/पक्षी सबको सहारा देते हैं, तब समझ आता है कि सब जगह का संबंध एक ही है, इसलिए एकता बनती है।

उदाहरण 7. कविता के भाव के आधार पर बताओ: 'एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है' और 'एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है'–यह बात प्रेम/सद्भाव/एकता से कैसे जुड़ती है?

› पहले वाक्य में 'धरती' से निकली खुशबू को 'सुगंध' मानो जो हवा से फैलती है–यानी सीमाओं में नहीं रुकती।

› फिर जोड़ो कि कवि 'सौरभ' को हवा में तैरती और पक्षियों के पंखों पर पहुँचती हुई बताता है–यानी पक्षी संदेश के वाहक हैं।

› अब दूसरे वाक्य में 'भाप' को पानी का रूपांतरण मानो जो एक जगह से उठकर ठंडी होकर दूसरी जगह 'पानी' बनकर गिरती है।

› निष्कर्ष लिखो कि प्रकृति के ये बदलाव भेदभाव नहीं करते–खुशबू और बारिश दोनों दूसरे स्थान तक पहुँचकर अपनापन/एकता का संदेश देते हैं।

उत्तर – इन पंक्तियों में प्रकृति को 'डाकिए' की तरह दिखाया गया है: एक जगह की सुगंध हवा और पक्षियों के जरिए दूसरी जगह पहुँचती है, और एक जगह की भाप बादल बनकर दूसरी जगह पानी बनकर बरसती है। यानी प्रकृति सीमाओं में रुकती नहीं–वह प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देती है कि दूरी के पार भी जुड़ाव हो सकता है।

उदाहरण 8. प्रकृति के 'डाकिए' (पक्षी और बादल) और इंटरनेट/WWW की तुलना करते हुए 10 रचनात्मक पंक्तियाँ लिखिए। हर पंक्ति में संवाद (message) का संकेत होना चाहिए।

› पक्षी/बादल को संवादवाहक मानकर लिखो–वे क्या संदेश दे रहे हैं (प्रेम, सद्भाव, एकता)।

› बताओ संदेश एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचता है (पंख/हवा, भापबादलबरसात)।

› इंटरनेट से तुलना करो–संदेश तेजी से/दूर तक कैसे जाता है (WWW से)।

› कम-से-कम एक पंक्ति में 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' (जोड़ना/जानकारी/संबंध) लिखो।

› 10 पंक्तियाँ अलग-अलग रखो–एक ही बात दोहराते मत रहो।

उत्तर – 1) पक्षी अपने पंखों से "खुशखबरी" जैसे संदेश उड़ाकर ले जाते हैं।

2) बादल दूर-दराज़ से संकेत लाकर बरसते हैं, मानो संदेश पूरा हो रहा हो।

3) एक देश की भाप उठती है, दूसरे देश में पानी बनकर गिरती है–यह संवाद का रास्ता है।

4) इंटरनेट भी संदेश एक जगह से दूसरी जगह तक जल्दी पहुँचा देता है, जैसे डिलीवरी कर रहा हो।

5) पक्षी और बादल प्रेम-सद्भाव की बात करते हैं–भेदभाव नहीं।

6) WWW पर मैसेज दुनिया भर तक पहुँच सकता है, इसलिए दूरी टूट जाती है।

7) प्रकृति का संवाद हवा, पंख और बादल की यात्रा से चलता है।

8) इंटरनेट का संवाद नेटवर्क और वेब से चलता है, पर मकसद वही–जोड़ना।

9) जब हम किसी को ऑनलाइन संदेश भेजते हैं, हम भी डाकिया जैसे बनते हैं।

10) हमारे जीवन में डाकिए (प्रकृति/इंटरनेट) रिश्ते बनाए रखते हैं और जानकारी बाँटते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- बोर्ड परीक्षा में ऐसे प्रश्न अक्सर आते हैं जहाँ आपको कविता के 'inner meaning' को समझाना होता है, केवल शब्दों का अर्थ नहीं।
- बोर्ड परीक्षा में, ऐसे 'विरोधी भाव' वाले प्रश्नों में आपको दोनों पंक्तियों का अलग-अलग अर्थ और फिर कवि का 'समग्र उद्देश्य' समझाना होगा। सिर्फ़ पंक्तियाँ लिखकर मत छोड़ देना, उनके पीछे का 'गहरा संदेश' लिखना ज़रूरी है।
- भाव-शब्द मिलान वाले प्रश्नों में ‘क्यों?’ जरूर लिखो–शब्द भाव कैसे बताता है।
- कविता समझाते समय शब्दार्थ + भाव (मिज़ाज) जरूर लिखो।
- उत्तर लिखते समय ‘क्यों’ के साथ ‘चिठ्ठियों की प्रकृति’ (पेड़-पौधे/पानी/पहाड़) ज़रूर लिखो।
- उत्तर में तीनों शब्द (प्रेम/सद्भाव/एकता) लिखना जरूरी है–भाव सहित समझाओ।
- आंसर में ‘रूपांतरण’ और ‘संदेश/एकता’ का संबंध जरूर लिखो।
- 10 पंक्तियाँ लिखते समय ‘संदेश’ और ‘तुलना’ दोनों ज़रूर लिखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› कविता में विरोधी बातों में संबंध खोजकर कवि का गहरा भाव समझना।
› अस्तित्व नकारना (हस्ती नहीं) और महत्त्व देना (मस्ती साथ) – फाकामस्ती का भाव।
› - भाव पकड़ो, फिर उसी फील वाले शब्द चुनो।
› Meaning पूछो, Feeling जोड़ो: ‘क्या’ और ‘कैसा’
› डाकिए = पक्षी-बादल; चिठ्ठी = पेड़-पौधे, पानी, सुगंध, भापपानी
› प्रेम, सद्भाव, एकता–प्रकृति भेदभाव नहीं करती।
› - सुगंध: धरतीहवापक्षी; भाप: धूपभापपानी-बारिश
› तुलना: काम वही–जोड़ना; रास्ता अलग–प्रकृति vs इंटरनेट।